खंड 7 संख्या 22

बिहार विधान-सभा

(भाग 2—कार्यवाही प्रश्नोत्तर रहित)

बुधवार, तिथि 28 जुलाई 1982

विषय-सूची

	पृष्ठ
शून्य काल की चर्चाएं :	
(1) तिरहुत कैनाल के टूटजाने से उत्पन्न स्थिति ..	1
(2) हत्या आदि घटनाओं से जन-जीवन आतंकित ..	1-2
(3) छत टूट जाने से विधायक घायल	2
(4) डाक्टर और उनके लठैतों द्वारा ग्रामीण की हत्या ..	2
(5) कोईलियरी में कातिलाना हमला	3
(6) कैनाल टूटने से ग्रामीणों को क्षति ..	3
(7) विधान-सभा सदस्य श्री सूर्यदेव सिंह की गिरफ्तारी ..	3-4
(8) छत गिरने से विधान-सभा सदस्य को चोट ..	4
(9) संथाल परगना जिला में राहत कार्य	4-5
(10) थाना प्रभारी का अपराधकर्मियों से सांठ-गांठ ..	5
(11) भागलपुर विश्वविद्यालय के कुलपति द्वारा अनियमितता ..	5-6
(12) वर्षा नहीं होने से भीषण अकाल	6
(13) बखरी को अकालग्रस्त क्षेत्र घोषित करने की मांग ..	6
(14) ट्रान्सफार्मर की मरम्मती	6-7

के भी भाव बढ़ गये हैं। दलहन और तेलहन में भी 25 प्रतिशत प्रति किलो की वृद्धि हुई है। इस तरह से वेगूसराय, बरौनी औद्योगिक क्षेत्र में भी तेजी से मूल्य वृद्धि हो रही है।

अतः सरकार से आग्रह है कि मूल्य वृद्धि रोकने की दिशा में कारगर कदम उठावे।

(20) पुलिस द्वारा राजनीतिक कार्यकर्त्ताओं के साथ धांधली।

श्री दीनानाथ पाण्डेय—अध्यक्ष महोदय, जमशेदपुर की पुलिस ने इन्दिरा कांग्रेस के नेताओं के उकसावे में आकर भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्त्ताओं और समर्थकों को तबाह करने में लग गयी है। दिनांक 21 जुलाई 1982 को सिंहभूम जिला भा० ज० पा० के कोषाध्यक्ष श्री ब्रह्मदेव शर्मा को जो पूरे तौर से निर्दोष हैं और जिनपर आजतक किसी प्रकार का कोई भी मामला या मुकदमा कहीं भी दर्ज नहीं है, रात के लगभग 11 बजे उनके निवास स्थान पर से गिरफ्तार किया और विष्टुपुर कांड में फंसा कर 36 घंटों तक भूखा रखकर जमशेदपुर के साकची जेल में भेज दिया। महोदय, जमशेदपुर की पुलिस इस प्रकार से राजनीतिक आधार पर भा० ज० पा० के कार्यकर्त्ताओं का मनोबल तोड़ डालना चाहती है। मैं सरकार से मांग करता हूं कि वह श्री शर्मा पर से मुकदमा अविलम्ब वापस ले और दोषी पदाधिकारियों को दंडित करे।

(21) मेडिकल कॉलेजों में छात्रों का नामांकन।

श्री विजय कुमार सिंह—बिहार के विभिन्न मेडिकल कालेजों में 90 आरक्षित स्थान प्रथम वर्ष में नामांकन हेतु फरवरी, 1982 से रिक्त हैं क्योंकि भारतीय चिकित्सा परिषद् के नियमानुसार अनुसूचित जन-जाति एवं अनुसूचित जाति के न्यूनतम प्राप्तांक प्राप्त नहीं कर सके हैं।

यद्यपि सामान्य कोटि के 60 छात्रों का साक्षात्कार जनवरी, 1982 में ही हो चुका है लेकिन उनका नामांकन अबतक नहीं हो पाया है। जबकि पूर्व वर्ष में बाकी बचे स्थान पर सामान्य कोटि के छात्र का नामांकन होता रहा है। अगली वर्ष की परीक्षा का मात्र एक माह रह गया है।

अतः मैं सरकार से मांग करता हूं कि शीघ्रातिशीघ्र विभिन्न मेडिकल कॉलेजों में सभी रिक्त स्थानों पर साक्षात्कार दिए हुए छात्रों का नामांकन करने की व्यवस्था करें।